Seventh Nadi Utsav documentary film festival concept note

The River as an Archivist

The rivers of our subcontinent are far more than mere lines on a map; they are the living, fluid diaries of our communities. For generations, they have quietly witnessed the unfolding of our civilisation—from ancient sages composing timeless epics on their banks to modern cities rising beside them. Our connection with water is deeply personal; our folk traditions have always spoken to rivers as family, sharing human struggles and celebrating seasonal joys, rather than treating them as indifferent streams of water.

To honour this profound bond, the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), an autonomous trust under the Ministry of Culture, Government of India, celebrates the seventh edition of Nadi Utsav. This year, our film festival segment invites creators and storytellers to explore the theme: 'The River as an Archivist'.

We call for films that unlock the deep memories stored within our waterbodies. It is an invitation to look around your own surroundings and tell the unfiltered story of your local river, stream, or wetland. We encourage you to bring out its unique local history, its moments of joy, its current grievances, and the pressing environmental issues it faces today. Whether it is a grand narrative of community migration or a fragile, quiet story of a neighbourhood waterbody, your lens can give the water a voice.

The cinematic stories celebrating all rivers across the Indian subcontinent are most welcome and encouraged. However, a dedicated section in the festival will feature films centered on the Yamuna, as the river is this year's theme.

Nadi Utsav serves as a cultural confluence bridging ancestral roots with modern environmental consciousness. We invite filmmakers to join this cinematic confluence.

Submissions close on 14th August 2026.

Film entry formats

1. Spandan: The Pulse (reel/ short video – upto 50 seconds)
2. Dhara: The Stream (short documentary – upto 20 minutes)
3. Pravah: The Flow (full length documentary – upto 50 minutes)

सातवाँ नदी उत्सव डॉक्यूमेंट्री फ़िल्मोत्सव अवधारणा

नदी को याद है: इतिहास, समय और पुरालेख

हमारे उपमहाद्वीप की नदियाँ मानचित्र पर महज़ रेखाएँ नहीं हैं; वे हमारे समुदायों की जीती, बहती, धड़कती डायरियाँ हैं। पीढ़ियों से, वे हमारी सभ्यता, विकास व रचनाओं की गवाह रही हैं–उनके तटों पर कालजयी महाकाव्यों की रचना करने से लेकर निरन्तर विकसित होते, ऊँचे, आधुनिक शहरों तक। पानी से हमारा आत्मीय नाता है; हमारी लोक परम्पराओं में नदियाँ कोई उदासीन जलधारा नहीं, अपितु परिवार, गाँव, समाज का हिस्सा हैं जिनसे हम अपने जीवन का सुख-दुःख बाँटते हैं, जिनके तटों पर हर मौसम का उल्लास सब मिलकर मनाते हैं।

इसी आदिम और गहरे रिश्ते को उत्सव का रूप देने के लिये इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए)–जो भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त न्यास है, नदी उत्सव का सातवाँ संस्करण मना रहा है। इस वर्ष होने वाले फ़िल्म फ़ेस्टिवल की थीम है 'नदी को याद है: इतिहास, समय और पुरालेख'।

हम फ़िल्म निर्माताओं और विज़ुअल कहानीकारों से ऐसी फ़िल्मों का आह्वान करते हैं जो हमारे जलस्रोतों में समाये समय, इतिहास के परतों की बात करें। यह अपने आस-पास की स्थानीय नदी, जलधारा या दलदली इलाक़े की बिना फ़िल्टर की कहानियाँ कहने का एक निमंत्रण है। आप अपने जुड़ाव की नदी/ जलधारा/ जलीय क्षेत्र के अनूठे स्थानीय इतिहास, उसकी ख़ुशियों के पल, उसकी वर्तमान शिकायतें, नाराज़गी, या उसके सामने मौजूद गम्भीर पर्यावरणीय मुद्दों को सामने लायें। चाहे किसी समुदाय के विस्थापन की पीड़ा हो या पड़ोस की किसी छोटी धारा की कोई शान्त, संवेदनशील कहानी–आपका लेंस पानी को एक आवाज़ दे सकता है।

भारत की सभी नदियों पर बनी फ़िल्मों का इस उत्सव में सहर्ष स्वागत है। हालाँकि, फ़िल्मोत्सव में एक विशेष खण्ड यमुना पर बनी फ़िल्मों के लिये होगा क्योंकि यमुना सातवें नदी उत्सव की थीम नदी है।

नदी उत्सव हमारी पुरखों की जड़ों को आधुनिक पर्यावरणीय चेतना से जोड़ने वाला एक सांस्कृतिक संगम है। हम सभी विज़ुअल माध्यम के कथाकारों को इस सिनेमा संगम का हिस्सा बनने के लिये आमंत्रित करते हैं। फ़िल्म प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि 14 अगस्त 2026 है।

फ़िल्म प्रविष्टि फ़ॉर्मेट

1. स्पन्दन: द पल्स (रील/ शॉर्ट वीडियो - 50 सेकंड)
2. धारा: द स्ट्रीम (शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री - 20 मिनट)
3. प्रवाह: द फ़्लो (डॉक्यूमेंट्री - 50 मिनट)

Film entry submission link/ फ़िल्म प्रविष्टि भेजने की लिंक
https://docs.google.com/forms/d/1ZMaCnDOQ6Tf98_ropDXXyw-btGczD2v_OeswZShaMhg/edit?usp=forms_home&ouid=107943102678144158951&ths=true